www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–04 अप्रैल –2024

इस अंक में...

- बागवानी के मूल सिद्धांत P. 2
- राज्य वन भ्रमण P. 2
- वृक्षारोपण P. 2
- छात्र-छात्राओं की उपलब्धियाँ P. 3
- क्यूआरटी बैठक P. 3
- किसान मेला P. 4
- आउटरीच कार्यक्रम P. 5
- इंटर्नशिप विकास कार्यक्रम P. 6
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

मुझे विश्वविद्यालय के अप्रैल माह के ई-न्यूज़लेटर संस्करण को प्रस्तुत करते हुए अपार प्रसन्नता हो रही है जो विगत माह के अनेक कार्यों एवं उपलब्धियों को समाहित किये हुए है। विगत माह में कई महत्वपूर्ण शैक्षणिक, अनुसंधान और वित्तीय गतिविधियाँ पूर्ण की गईं जो हमारे निरंतर प्रगतिशील होने के सामर्थ्य को दर्शाता है।

हमारा विश्वविद्यालय आज जो कुछ भी कर रहा है वह भारतीय कृषि शिक्षा के परिदृश्य में उत्कृष्ट करने के विश्वास के साथ कर रहा है। हाल के दिनों में विभिन्न नवाचारों और प्रौद्योगिकियों के लिए पेटेंट प्राप्त करने की श्रृंखला में, हमें दिनांक 01.03.2024 को "मशरूम बिस्कुट और उसकी तैयारी" विषय पर एक और पेटेंट (पेटेंट क्रमांक 518386) प्राप्त हुआ है जिससे कुल प्राप्त पेटेंट की संख्या अब 11 हो गयी है। इससे हमारे विश्वविद्यालय में वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों की समर्पित टीम द्वारा किये जा रहे शोध कार्य की गुणवत्ता का पता चलता है। साथ हीं, किसानों को सशक्त बनाने और कृषि उत्पादन और विपणन के क्षेत्र में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के क्रम में किसानों की आय और समृद्धि बढ़ाने के लिए 'तकनीकी नवाचार की शक्ति का उपयोग' विषय पर प्रशिक्षण और सम्मेलन भी आयोजित किए गए। इसी कड़ी में हमारे विश्वविद्यालय में "बाजरा-सुपर फूड" पर 11 प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला शुरू की गयी। इसके अंतर्गत दिनांक 12 से 17 मार्च, 2024 के दौरान "वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन, मूल्य संवर्धन" पर एक 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा दिनांक 22-03-2024 को "शहद में भौगोलिक संकेत : विकास और संवर्धन" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम निश्चित रूप से शहद और बाजरा उत्पादक किसानों की आय सृजन और कल्याण, प्रसंस्करण और विपणन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

एक और महत्वपूर्ण कार्यक्रम "बिहार कृषि विज्ञान अकादमी (BASA)" के वार्षिक आम सभा की बैठक और इसकी दूसरी कार्यकारी परिषद की बैठक का आयोजन दिनांक 22-03-2024 को बिहार दिवस के अवसर पर किया गया। बिहार में कृषि शिक्षा, अनुसन्धान सहित अन्य कृषिगत विषयों पर नीति निर्माण और प्रचार-प्रसार के लिए राज्य के कृषि विशेषज्ञ एक मंच पर एकत्रित हुए। इस अवसर पर मिट्टी परीक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधा से युक्त एक सुसज्जित मोबाइल प्रयोगशाला "ज्ञान वाहन" को झंडा दिखाकर रवाना किया गया। इस प्रकार के ज्ञान के संचार माध्यम किसानों के तकनीकी सशक्तिकरण के लिए वरदान साबित होंगे।

इन उपलब्धियों के अलावा, हमारे विश्वविद्यालय ने अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताएँ भी ससमय पूर्ण कर ली हैं जो हमारी सुदृढ़ योजना और समन्वय को दर्शाता है, मैं सभी विभागों के अधिकारीयों, कर्मचारियों को इसके लिए बधाई देता हूँ।

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➢ **बागवानी के मूल सिद्धांत,** पाठ्यक्रम के तहत तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के छात्रों ने उद्यान के 50 से अधिक सजावटी पौधों को क्यूआर लेबल किया हैं जो पौधों के जीनस-स्पीशीज के बारे में विस्तृत जानकारी देते हैं। पाठक जिसे स्कैनिंग कर उपलब्ध जानकारी का उपयोग कर सकते हैं।

➢ **उप-महानिदेशक-भा. कृ. अनु. प. (कृषि अभियांत्रिकी) की कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा के छात्रों एवं वैज्ञानिकों से वार्ता :** डॉ. एस.एन. झा, उप-महानिदेशक-भा. कृ. अनु. प. (कृषि अभियांत्रिकी) ने दिनांक 21 मार्च 2024 को कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा के संकाय सदस्यों और छात्रों को संबोधित किया एवं कृषि इंजीनियरिंग में संभावनाएं और अवसर पर चर्चा भी की।

➢ **पं. दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महावीद्यालय, पीपराकोठी, पूर्वी चंपारण द्वारा आयोजित राज्य वन भ्रमण:** दिनांक 21 मार्च से 28 मार्च 2024 तक चार दिवसीय राज्य वन भ्रमण कार्यक्रम छठे सेमेस्टर बीएससी (ऑनर्स) वानिकी के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने कई स्थानों का भ्रमण किया जिसमे, कांवर झील पक्षी अभयारण्य, बेगुसराय; वानिकी महाविद्यालय (बीएयू, सबौर), मुंगेर एवं वन प्रमंडल मुंगेर एवं राजगीर; नालन्दा विश्वविद्यालय, नालन्दा एवं संजय गांधी जैविक उद्यान, पटना प्रमुख रूप से शामिल रहे।

➢ **स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूसा** के अंतर्गत कृषि वानिकी विभाग के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों द्वारा नदी के किनारे घोराई घाट पर 21 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण किया गया।

छात्र-छात्राओं की उपलब्धियाँ

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के 8वीं सेमेस्टर के छात्र श्री अनिकेत भौमिक, बी.एससी.(ऑनर्स) कृषि, ने GATE 2024 (जीव-विज्ञान) में AIR-13 रैंक प्राप्त किया।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के 8वीं सेमेस्टर के छात्र श्री शुभम् कुमार बी.एससी.(ऑनर्स) कृषि, का चयन यारा फर्टिलाइजर्स लिमिटेड गुरुग्राम में प्रबंधन प्रशिक्षार्थी के पद के लिए किया गया है।

➢ **अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च)** के अवसर पर आर्ट एंड क्राफ्ट्स सोसाइटी, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली की छात्रा सुश्री संस्कृति बी.एससी. (ऑनर्स) कृषि, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **रबी दलहन पर भा. कृ. अनु. प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की निगरानी टीम ने पूसा का भ्रमण किया** जिसमें डॉ. एन.एस. कुटे, प्रधान वैज्ञानिक और डॉ. एस.बी. लैटेक, वैज्ञानिक, दलहन सुधार परियोजना, एमपीकेवी, राहुरी ने दिनांक 12.03.2024 को ढोली में रबी दलहन पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के परीक्षणों का भ्रमण किया। टीम ने अधिष्ठाता एवं कॉलेज के संबद्ध वैज्ञानिक और तकनीकी कर्मचारियों से भी बातचीत की और कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

➢ **डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा के वैज्ञानिक ने क्यूआरटी बैठक में भाग लिया :** मसालों पर भा. कृ. अनु. प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के अंतर्गत डॉ. ए. के. मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक (प्लांट पैथोलॉजी) तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने भाग लिया और प्रस्तुति दी मसालों पर भा. कृ. अनु. प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना, ढोली केंद्र की 2018-19 से 2023-24 अवधि की उपलब्धियों को, एचआरएस, लैम, गुंटूर (आन्ध्र प्रदेश) में दिनांक 12.03.2024 को आयोजित क्यूआरटी बैठक में प्रस्तुत किया।

➢ **भा.कृ.अनु.प.-भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान,** कानपुर के वैज्ञानिक डॉ. बी. मंडल ने दिनांक 17.03.2024 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में भा. कृ. अनु. प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के तहत रबी दलहनों के प्रायोगिक परीक्षण प्रक्षेत्रों का भ्रमण किया गया।

➢ **बिहार कृषि विज्ञान अकादमी की जीबीएम बैठक का आयोजन:** नवगठित 'बिहार कृषि विज्ञान एकेडमी' (BASA) के वार्षिक आय बैठक का आयोजन डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि, पूसा में दिनांक 22 मार्च 2024 को किया गया। उप-महानिदेशक-भा. कृ. अनु. प. (कृषि अभियांत्रिकी) और BASA के अध्यक्ष डॉ. एस.एन. झा, माननीय कुलपति एवं उपाध्यक्ष BASA, डॉ. पी. एस. पांडेय, ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर डॉ. गोपाल जी त्रिवेदी, पूर्व कुलपति, राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय ने BASA को संबोधित किया एवं सदस्यों और सभी अधिष्ठाता/निदेशकों को महत्वपूर्ण सुझाव दिए, साथ हीं, BASA को विशेष रूप से बिहार के लिए एक कृषि थिंक टैंक बनने हेतु शुभकामनाएं दीं।

➢ **समस्तीपुर में कार्बन मुक्त गांवों की ओर एक कदम:** कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रोद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा के अधिष्ठाता ने 31 मार्च 2024 को समस्तीपुर जिले के चकहाजी, चंदौली और मोरसंड गांवों का दौरा किया - जो लगभग पैंतीस 5 एचपी सौर पंपों के साथ सुसज्जित हैं और उनकी संपूर्ण कृषि क्षेत्र की सिंचाई भूमिगत पाइपलाइन प्रणाली द्वारा किया जा रहा है। इन गांवों के किसान सिंचाई में हरित ऊर्जा का उपयोग कर गांवों को कार्बन मुक्त बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। किसानों ने बिजली से चलने वाले पंप की तुलना में सोलर पंप को प्राथमिकता दें कर दूसरों को सिंचाई का पानी बेचकर लगभग 50000 रु प्रति वर्ष कमा लेते हैं।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **दिनांक 18.03.2028 को डॉ. रा. प्र. के, कृ. वि. पूसा के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की में किसान मेला का आयोजन किया गया।** इस अवसर पर डॉ. पी. एस. पांडेय, माननीय कुलपति सहित, डॉ. एम. एस कुंडू, निदेशक, प्रसार शिक्षा, डॉ. पी.पी. श्रीवास्तव, अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली, डॉ मयंक राय, अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा, डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रोद्योगिकी महाविद्यालय पूसा एवं डॉ. कृष्ण कुमार. अधिष्ठाता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पीपराकोठी उपस्थित रहे। मुजफ्फरपुर जिले के सभी प्रखंडों से कुल 3064 महिलाएं किसान मेले में शामिल हुईं माननीय कुलपति महोदय ने कृषि में महिलाओं की प्रमुख भूमिका पर प्रकाश डाला बिहार में कृषि विकास एवं नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया। किसानों और कृषक महिलाओं को प्रगतिशील किसान पुरस्कार भी प्रदान किये गये।

➢ **डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल** (सहायक प्रोफेसर सह वैज्ञानिक, कृषि प्रसार शिक्षा) और सह-पीआई एआईसीआरपी-डब्ल्यूआईए ने 18-20 मार्च 2024 के दौरान "आजीविका सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कृषक महिलाओं की डिजिटल साक्षरता बढ़ाने" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। यह ध्यान में रखते हुए कि ग्रामीण युवा महिलाओं की डिजिटल साक्षरता (आईसीटी कौशल निष्पादन क्षमता) के मामले में, बिहार हर संकेतक पर राष्ट्रीय औसत से 1.5 से 4.5 गुना कम है। बिहार की ग्रामीण युवा महिलाएं डिजिटल कौशल के मामले में भारत के कुल 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 33वें स्थान पर हैं। कुल 36 कृषक महिलाओं ने ऑफ-कैंपस के साथ-साथ सीसीएस की कंप्यूटर लैब में प्रशिक्षण प्राप्त किया।

➢ **आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, पूसा** ने दिनांक 20.03.2024 को SERB वित्तपोषित परियोजना के अंतर्गत स्कूली छात्रों के लिए एक दिवसीय सामाजिक वैज्ञानिक जिम्मेदारी (एसएसआर) दौरे का आयोजन किया। इसमें कैंपस पब्लिक स्कूल, पूसा के कक्षा नौवीं और दसवीं से कुल पच्चीस छात्र-छात्राओं ने डॉ. टेकुर माजाव, मुख्य अनुसन्धानकर्ता के नेतृत्व में महाविद्यालय स्थित जैव रसायन और आणविक जीव विज्ञान विभाग के प्रयोगशाला का भ्रमण किया जहाँ उन्हें, अनुसंधान-संबंधी कार्यों की जानकारी दी गयी।

➢ **मक्का पर प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे)** दिनांक 23-03-2024 को आयोजित: डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा परिसर में मक्का पर आयोजित प्रक्षेत्र दिवस में माननीय कुलपति, कुलसचिव, निदेशक अनुसंधान, निदेशक शिक्षा, निदेशक प्रसार शिक्षा, अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, और विद्यार्थियों सहित अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

➢ **कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय, पूसा द्वारा दो आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन :** कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय, पूसा द्वारा दो आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन क्रमशः 28 एवं 30 मार्च को एग्री-इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर (एआईआईसी) के तहत "स्टार्टिंग दी स्टार्टअप: आईडिएशन टू इम्प्लीमेंटेशन" थीम के अंतर्गत किया। साथ हीं, दिनांक 12-17 मार्च, 2024 के दौरान मधुमक्खी

पालन के मिनी मिशन III के तहत राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा प्रायोजित छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन, एवं शहद उत्पादों का मूल्य संवर्धन" विषय पर किया गया जिसका उद्देश्य लीची शहद उत्पादन के क्षेत्र में आसपास के जिलों के किसानों को प्रशिक्षित करना था। इसी प्रकार 20 मार्च, 2024 के दौरान किसानों, उद्यमियों और छात्रों के लिए मधुमक्खी पालन के मिनी मिशन III (एनबीएचएम) के अंतर्गत राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "प्रमोशन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ ज्योग्राफिकल इंडीकेटर्स इन हनी" विषय पर आयोजित किया गया।

➢ **ईंख अनुसन्धान संस्थान, पूसा** ने गन्ना पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना भा. कृ. अनु. प- भारतीय गन्ना अनुसन्धान संस्थान, लखनऊ द्वारा प्रायोजित गन्ना पर सभी समन्वित अनुसंधान परियोजना की अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के तहत अनुसूचित जाति श्रेणी के प्रगतिशील गन्ना किसानों के लिए दिनांक 22.03.2024 को गरखौली (हसनपुर सुल मिल्स क्षेत्र), दिनांक 23.03.2024 को भाठा बाजार, सुगौली, पूर्वी चंपारण, दिनांक 28.03.2024 को गोपालगंज में भैसाही, दिनांक 29.03.2024 को हरिनगर, सरवा (नारकटियागंज गन्ना मिल क्षेत्र) और कल्याणपुर फार्म, समस्तीपुर में छह (06) एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुसूचित जाति समुदाय के कुल 100 गन्ना किसानों ने भाग लिया। इसी क्रम में 27-31 मार्च, 2024 के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के तहत अनुसूचित जाति श्रेणी के प्रगतिशील गन्ना किसानों के लिए "गन्ने की बेहतर खेती, प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन" विषय पर पांच दिवसीय

प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

➢ **पीएम श्री कार्यक्रमः** डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बिरौली, समस्तीपुर के 80 छात्रों के लिए इंटर्नशिप विकास कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह कार्यक्रम 30.03.2023 को शुरू किया गया और इसमें मशरूम, उत्पादन प्रौद्योगिकी, एकीकृत कृषि प्रणाली, जैविक खेती और प्राकृतिक खेती, ऊतक संवर्धन तकनीक, उच्च तकनीक जलीय कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उत्पाद विकास, मधुमक्खी पालन, अपशिष्ट से धनोपर्जन, पशुधन खेती और उच्च तकनीक बागवानी सहित 11 मॉड्यूल के तहत प्रशिक्षण शामिल किया जायेगा। यह कार्यक्रम नयी शिक्षा नीति-2020 के ढांचे पर भारत सरकार के पीएम श्री इंटर्नशिप विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा और पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय बिरौली के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया है। इस पहल के तहत 350 छात्रों को प्रशिक्षित किया जाएगा। फ़िलहाल प्रथम चरण में 80 छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। छात्रों को विभिन्न तकनीकों के लिए बहु-विषयक अनुभव प्रदान किया जायेगा और प्रत्येक मॉड्यूल के तहत कौशल विकास के माध्यम से उद्यमशीलता विकास के बारे में ज्ञान दिया जायेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम युवा छात्रों को जैव-उद्यमिता की ओर प्रेरित करने में भी मदद करेगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के निदेशक शिक्षा डॉ. यू. के. बेहरा, निदेशक शिक्षा की अध्यक्षता में और डॉ. पी. एस. पांडेय, माननीय कुलपति के समग्र मार्गदर्शन में कार्यान्वित किया जा रहा है। जवाहर नवोदय विद्यालय, बिरौली, बिहार के प्राचार्य डॉ. टी. एन. शर्मा ने इस कार्यक्रम की शुरुआत करके पीएम श्री कार्यक्रम के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संकाय सदस्य डॉ. कुमारी अंजनी, डॉ.

विश्वजीत प्रामाणिक और डॉ. के. एल. भूटिया, ने कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक समन्वय किया है और डॉ. देवेंद्र सिंह और डॉ. शिवेंद्र कुमार, प्रोफेसर ने कार्यक्रम के संयोजक के रूप में कार्य किया। यह ग्रामीण जैव उद्यमिता के क्षेत्र में युवा मस्तिष्क को कौशल विकास की ओर उन्मुख करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा शरू किया गया एक नवीन पहल है।

➢ **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रोद्योगिकी महाविद्यालय, पूसा** ने 30 मार्च 2024 को "फार्म मशीनरी रिपेयर एंड मेंटेनेंस" पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीसरे और चौथे बैच के उद्घाटन और समापन समारोह का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैशाली, मधुबनी, बेगुसराय और समस्तीपुर जिले के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

वैज्ञानिक उत्कृष्टता

➢ **प्रो. आर. के. झा, परियोजना निदेशक, सेन्टर ऑफ़ एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट चेंज** को गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा "भारतीय विश्वविद्यालयों और आपदा जोखिम न्यूनीकरण राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (यूआईएनडीआरआर-एनआईडीएम) द्वारा 8 मार्च, 2024 को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, जनपथ, दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के अवसर पर 'आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका' पर सर्वश्रेष्ठ कार्य में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए रु. 25,000/- की नकद राशि सहित पुरस्कृत किया गया।

मानव संसाधन विकास

➢ **डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल, सहायक प्राध्यापक (प्रसार शिक्षा)** स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, को दिनांक 6-12 मार्च, 2024 के दौरान वर्चुअल मोड में आयोजित "कृषि अनुसंधान, उद्यमिता और राष्ट्र के विकास के लिए कौशल विकास" पर 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

Certificate
OF RECOGNITION IS AWARDED TO
Dr. Sudhanand Prasad Lal
a grateful acknowledgement of his/her distinguished and invaluable service rendered as
RESOURSE SPEAKER
during the 7 Days International Training cum Workshop on
AGRICULTURAL RESEARCH, ENTREPRENEURSHIP, AND SKILL DEVELOPMENT FOR NATION'S GROWTH
from 6 to 12 March, 2024, Their contribution is immeasurable to the prestige and success of the occasion.
Organized by
SGT University, Gurugram
VITAL BIOTECH, KOTA
Agriculture Forum for Technical Education of Farming Society (AFTEFS)
VITAL BIOTECH

डॉ. लाल ने श्री गुरु गोबिंद सिंह त्रिवार्षिक विश्वविद्यालय (एसजीटी) गुरुग्राम, एग्रीकल्चर फोरम फॉर टेक्निकल एजुकेशन ऑफ फार्मिंग सोसाइटी, राजस्थान और वाइटल बायोटेक पब्लिशिंग हाउस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'डिजिटल मार्केटिंग में कंटेंट क्लाउड के व्यावहारिक अनुभव' पर अपना व्याख्यान दिया।

➢ **राजभाषा पर कार्यशालाः** शिक्षा निदेशालय, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय ने दिनांक 18-03-2024 को राजभाषा कार्यान्वयन पर कार्यशाला का आयोजन किया। राजभाषा के नियंत्रक पदाधिकारी एवं निदेशक शिक्षा डॉ. उमाकांत बेहरा ने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है और यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम दैनिक कार्य में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करें। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान राजभाषा से संबंधित त्रैमासिक और वार्षिक रिपोर्ट के अलावा राजभाषा अधिनियमों पर भी चर्चा की गई, कार्यशाला में राजभाषा इकाई/कॉलेज के सदस्य ने भी भाग लिया और अपनी उपलब्धियां प्रस्तुत कीं।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

डॉ. एस. एन. झा

उप-महानिदेशक (कृषि अभियांत्रिकी) ने दिनांक 22-03-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. गोपाल जी त्रिवेदी

पूर्व कुलपति, आरएयू, पूसा ने दिनांक 22-03-2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

आगामी कार्यक्रम

➢ **स्कूल ऑफ नेचुरल फार्मिंग** द्वारा दिनांक 20-21 अप्रैल, 2024 के दौरान स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा, में "बदलते जलवायु परिदृश्य में प्राकृतिक खेती और इसके महत्त्व" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला" का आयोजन।

➢ **छात्र सम्मेलनः** स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा, द्वारा दिनांक 28-04-2024 को पीजी छात्रों के सम्मेलन का एक आयोजन।

सेवानिवृति समारोह

➢ **दिनांक 30 मार्च, 2024 को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति की उपस्थिति में आयोजित किया गया।**

1. **श्री जयशंकर प्रसाद**
   सीनियर टेक्निकल ऑफिसर
   आधार विज्ञान एवं मानविकी, महाविद्यालय, पूसा।

2. **श्री राम नरेश ठाकुर**
   कुशल भारवाही कर्मचारी
   स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा।

3. **श्री ब्रह्मदेव राय**
   कुशल भारवाही कर्मचारी
   तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली।

4. **श्री मो. अली सजाद**
   कुशल भारवाही कर्मचारी , आरजीएम, माधोपुर।

5. **श्री देवन राम**
   कुशल भारवाही कर्मचारी
   स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा।

संपादक - मंडल

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक:
डॉ. उमाकांत बेहरा

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
श्री गुप्तनाथ त्रिवेदी

संपादकीय सहयोग:
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in